न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर ग्रामीण

प्रकरण संख्या :– ग्रामीण 34/23

प्रार्थी — **बनाम** — **अप्रार्थी**

आवास फायनेन्सियर्स लि.
201–2012, द्वितीय तल, साउथ एन्ड स्क्वायर, मानसरावेर इन्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर जरिये प्राधिकृत अधिकारी अजय यादव

- पारसराम पुत्र जबराराम
  489, चौकीदारों का बास, स्कूल के पास, उदलियावास, जोधपुर
- दरियाव पत्नी बाबूलाल
  489, चौकीदारों का बास, स्कूल के पास, उदलियावास, जोधपुर
- चेतनराम पुत्र कानाराम
  स्कूल के पीछे, उदलियावास, जोधपुर

प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002

उपस्थिति :–

आदेश दिनांक :–14.02.2024

1–श्री चन्द्र सिंह राठौड़ अधिवक्ता (प्रार्थीपक्ष)

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर (ग्रामीण) राज.

आदेश

प्रार्थी पक्ष की ओर से यह प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अप्रार्थीगण पारसराम पुत्र जबराराम व अन्य के विरूद्ध पेश हुआ।

प्रार्थना–पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी के द्वारा अप्रार्थीगण को कुल राशि रूपये 3,40,000/– आवासीय ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा पुनर्भुगतान हेतु अप्रार्थीगण पारसरामपुत्र जबराराम की जायदाद **आवासीय सम्पति अवस्थित खसरा न. 465/8, ग्राम पंचायत उदलियावास, तहसील बिलाड़ा, जिला जोधपुर जिसका क्षेत्रफल 169.98 वर्गगज** को प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष में रहन/हाईपोथिकेशन कर दिया। अप्रार्थीगण द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को ऋण का भुगतान करने मे असफल रहने पर प्रार्थी द्वारा ऋण राशि मय ब्याज के [illegible] हेतु उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थी के नाम से नोटिस जारी किया [illegible] नोटिस प्राप्ति/सूचना के पश्चात् भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि मय ब्याज दिनांक 27.12.2021 तक 3,[illegible]/– रूपये

Signature Not Verified
Digitally signed by Gaurav Agrawal
Date: 2024.05.17 18:42:11 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर (ग्रामीण) राज.

भुगतान नहीं करने पर प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीगण के द्वारा बतौर जमानत रहन/हाईपोथिकेशन रखी गई सम्पत्ति का कब्जा प्रार्थी बैंक को सम्भलाने हेतु यह प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया तथा प्रार्थीपक्ष को सुना। प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण को राशि रूपये 3,40,000/– आवासीय ऋण सुविधा प्रदान की है तथा अप्रार्थीगण बतौर प्रतिभूति उक्त जायदाद प्रार्थी के पक्ष में रहन रखी एवं अप्रार्थीगण से दिनांक 27.12.2021 तक 3,81,621/– रूपये वसूल किये जाने है। अप्रार्थीगण को नोटिस भी जारी किये गये तथा नोटिस प्राप्ति/सूचना के पश्चात् भी अप्राथीगण द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं किया है। "दी सिक्युराईटेशन एवं रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाईनेन्शियल एस्सेट्स एण्ड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटीइन्ट्रेस्ट (सेकण्ड) एक्ट, 2002" की धारा 14 में उक्त रहन रखी गई सम्पत्ति को प्रार्थी बैंक के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। अतः उपरोक्त तथ्यों के सन्दर्भ में प्रार्थी का प्रार्थना–पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थीपक्ष पारसरामपुत्र जबराराम द्वारा प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष में प्रतिभूति के रूप रखी गई अपनी उक्त जायदाद **आवासीय सम्पति अवस्थित खसरा न. 465/8, ग्राम पंचायत उदलियावास, तहसील बिलाड़ा, जिला जोधपुर जिसका क्षेत्रफल 169.98 वर्गगज** जिसके उत्तर में रमेशचन्द्र की सम्पति, दक्षिण में भाकरराम की सम्पति, पूर्व में पूनाराम सीरवी की सम्पति, पश्चिम में स्वयं का प्लॉट एवं प्रवेश द्वार आया हुआ, का कब्जा अप्रार्थीगण से प्राप्त कर जरिये संबंधित पुलिस, प्रार्थी को सम्भलाये जाने का आदेश दिया जाता है। आदेश की प्रति संबंधित थानाधिकारी एवं प्रार्थी बैंक/कम्पनी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जाय।

आदेश आज दिनांक 14.02.2024 को सुनाया गया।

जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर ग्रामीण

जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर (ग्रामीण) राज.

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट

Signature Not Verified

Digitally signed by Gaurav Agrawal
Date: 2024.05.17 18:42:11 IST
Reason: SelfAttested